वैयक्तिक मूल्य प्रश्नावली

निर्देशिका – डॉ. अर्चना दुबे **शोधार्थी – महेन्द्र पाटीदार**

विद्यालय का नाम : ———————————————————— दिनाँक : ———————

नाम : ———————————————————————— उम्र : ——————————

कक्षा : —————————— लिंग : ———————— धर्म : ————————————

ग्रामीण / शहरीः —————————— माता / पिता का व्यवसाय : ——————————

फलांकन–तालिका

पहलू / पृष्ठ	क	ख	ग	घ	च	छ	ज	झ	ट	ठ
1										
2.										
3.										
4.										
5.										
6.										
योग										

निर्देश

1. परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए आप क्या पसंद करते हैं, इस बात की जाँच के लिए यह प्रश्नावली तैयार की गई है। प्रत्येक प्रश्न में तीन उत्तर दिए गए हैं, आपको पसंद के अनुसार प्रत्येक उत्तर को क्रम देना है।

2. आपको जो उत्तर सबसे अधिक पसंद आता है, उसके सामने सही { ✓ } का चिन्ह लगावें एवं जिस उत्तर को आप सबसे कम पसंद करते हैं, उसके सामने गलत { X } का चिन्ह लगावें तथा शेष उत्तर के सामने कोई चिन्ह नहीं लगाना है।

उदाहरण – **यदि मेरे पास उपयुक्त परिस्तिथियाँ है, तो मैं अवकाश के समय का सदुपयोग इस प्रकार करूंगा**– :

(अ) लोगों की बेकारी की समस्या दूर करने में। { ✓ }

(ब) मित्रों के साथ बैठकर कहानी लिखने में। { }

(स) आगे की कक्षा का अध्ययन करने में। { X }

3. आपके उत्तर का उपयोग केवल शोध कार्य के लिए किया जाएगा एवं उत्तर पूर्णतः गोपनीय रखे जाएंगे।

4. आपको सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

5. समय सीमा का कोई बंधन नहीं है।

01. मैं भगवान की पूजा करता/करती हूँ, क्योंकि भगवान

(अ) मुझे प्रत्येक कार्य को ईमानदारी से करने के लिए प्रेरित करते हैं। { }

(ब) मुझे चुनौतियों का सामना करने के लिए साहस देंते हैं। { }

(स) मुझे सच्चा एवं कर्मठ बनने की प्रेरणा देंते हैं। { }

02. मैं उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहता/चाहती हूँ, क्योंकि

(अ) मैने आपने माता–पिता को वचन दिया है। { }

(ब) मेंरी भविष्य की परेशानियाँ दूर होंगी। { }

(स) मैं अन्य लोगों का सहयोग कर सकूँ। { }

03. मैं निम्न प्रकार के विद्यार्थी को मित्र बनाना पसंद करूंगा/करूंगी–

(अ) जो स्वयं पर भरोसा करता हो। { }

(ब) जो ईमानदार हो। { }

(स) जो मुझे कठिन परिश्रम के लिए प्रेरित करे। { }

04. मं जीवन में सफल होने के लिए महत्त्व देता/देती हूँ–

(अ) पूरी ईमानदारी से कार्य करने को। { }

(ब) वचन के अनुसार कार्य करने को। { }

(स) कठिन परिश्रम द्वारा किए गए प्रयासों को। { }

05. कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए मैं अधिक महत्त्व देता/देती हूँ–

(अ) समूह में कार्य करने को। { }

(ब) कड़ी मेहनत को। { }

(स) आत्मनिर्भरता को। { }

06. मैं अपने मित्रों में निम्न विशेषता पसंद करता/करती हूँ–

(अ) जो मेरी बात माने। { }

(ब) जो कार्य के प्रत्येक क्षेत्र में मेरा सहयोग करें। { }

(स) जो मानसिक संयम वाला हो। { }

07. मैं शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में शिक्षक से निम्न प्रकार का शिक्षण पसंद करता/करती हूँ–

(अ) जिसमें समूह कार्य करना हो। { }

(ब) जिससे आत्मनिर्भरता का विकास हो। { }

(स) जिसमें विद्यार्थी एक दूसरे की मदद कर सकें। { }

08. मैं समाज सेवा पसंद करता/करती हूँ, क्योंकि

(अ) मैं वचन के अनुसार काम करने वाला या वाली हूँ। { }

(ब) मैं एक सामाजिक प्राणी हूँ। { }

(स) मैं सभी लोगों को सहयोग करना चाहता या चाहती हूँ। { }

09. मैं व मेरा साथी दोनों एक साथ परीक्षा की तैयारी प्रारम्भ करते हैं, लेकिन कुछ समय पश्चात् मैं उसके साथ अध्ययन करना छोड़ देता/देती हूँ क्योंकि

(अ) साथी का सहयोग न मिलना। { }

(ब) साथी का प्रतिदिन समय पर न पहुँचना। { }

(स) साथी का अनुशासित न होना। { }

10. मुझे उच्च माध्यमिक विद्यालय में सामाजिक विज्ञान विषय इसलिए पढ़ाया जाता है, क्योंकि मैं

(अ) आने वाली आपदाओं का सामना कर सकूँ। { }

(ब) सामाजिक समस्याओं का समाधान कर सकूँ। { }

(स) समाज में सार्थक योगदान दे सकूँ। { }

11. अगर मुझे अध्ययन के दौरान मित्र की आवश्यकता हो तो मैं ऐसा मित्र बनाऊंगा/बनाऊंगी–

(अ) जो अपने वचन पर दृढ़ रहें। { }

(ब) जो मेरी पढ़ाई में मदद करें। { }

(स) जो उद्यमी या परिश्रमी हो। { }

12. मैं किसी कार्य को करने से पहले महत्व देता/देती हूँ

(अ) सच्चाई को। { }

(ब) मेहनत को। { }

(स) एकाग्रता को ताकि कार्य पूर्ण हो। { }

13. मैं निम्नलिखित दिए गए कथनों में से पसंद करता/करती हूँ–

(अ) कार्य ही पूजा है। { }

(ब) समय ही सोना है। { }

(स) नैतिक संयम ही आचरण है। { }

14. मेरे जीवन में महत्वपूर्ण है –

(अ) निर्धारित समय पर कार्य करना। { }

(ब) आत्मनिर्भर बनना। { }

(स) कठिनाई का डटकर मुकाबला करना। { }

15. मैं निम्न कथन में से सबसे अधिक पसंद करता/करती हूँ–

(अ) कार्य के प्रत्येक क्षेत्र में ईमानदारी । { }

(ब) कार्य के प्रत्येक क्षेत्र में अनुशासन। { }

(स) कार्य के प्रत्येक क्षेत्र में समूह का साथ। { }

16. मैं समाज के कार्यों में भाग लेना चाहता/चाहती हूँ–

(अ) समूह भावना को बढ़ावा देने के लिए। { }

(ब) लोगों की समस्याओं का समाधान करने के लिए। { }

(स) पिता की बात रखने के लिए { }

17. मुझ में नेतृत्व के गुण विद्यमान है, क्योंकि

(अ) मैं आने वाली चुनौती का सामना आसानी से कर लेता या लेती हूँ। { }

(ब) मैं सभी को मेहनत करने के लिए प्रेरित करता या करती हूँ। { }

(स) मै समूह को सही दिशा में ले जाने की योग्यता रखता/रखती हूँ। { }

18. विद्यालय की कबड्डी, खो–खो एवं क्रिकेट टीम में मैं ही कप्तान बनता/बनती हूँ, क्योंकि

(अ) मैं खेल में बेईमानी नहीं करता/करती हूँ। { }

(ब) खेल शिक्षक की नज़र में, मैं अच्छा/अच्छी खिलाड़ी हूँ। { }

(स) मैं साथी खिलाड़ियों को विकास के समान अवसर देता/देती हूँ। { }

19. किसी दिए गए कार्य को मैं मित्रों के साथ सामूहिक रूप से करना पसंद करता/करती हूँ, क्योंकि

(अ) समस्या का समाधान आसानी से हो जाता है। { }

(ब) मैं उनके सहयोग का लाभ उठाना चाहता/चाहती हूँ। { }

(स) संगठन ही चुनौती का मुकाबला कर सकता है। { }

20. मैं स्वयं का कॅरियर ऐसी दिशा में ले जाना चाहूँगा/चाहूँगी

(अ) जिसमें अनुशासन का ज्यादा महत्व हो, जैसे– सैनिक, पुलिस आदि। { }

(ब) जहाँ सामूहिक कार्य हो। { }

(स) जहाँ कार्य में कठिनाइयाँ अधिक आती हो। { }

21. मैं अपने माता–पिता से अपेक्षा करता/करती हूँ, कि

(अ) वे दूसरों की समस्याओं के समाधान में योगदान दे। { }

(ब) वे प्रत्येक कार्य ईमानदारी से करें। { }

(स) वे समाज के सामूहिक कार्यों में भाग लेवें। { }

22. आधुनिकीकरण के युग में धार्मिक संस्थानों का क्या उद्देश्य होना चाहिए ?

(अ) हमें उचित मार्ग का अनुसरण करने के लिए प्रेरित करें। { }

(ब) हमें स्व पर निर्भर होने के लिए प्रेरित करें। { }

(स) हमें समय के अनुसार चलने के लिए प्रेरित करें। { }

23. मैं ऐसा वार्तालाप सुनना पसंद करता/करती हूँ–

(अ) जहाँ पर सामाजिक समस्याओं के समाधान पर चर्चा हो रही हो। { }

(ब) जहाँ अनुशासन से संबंधित चर्चा हो रही हो। { }

(स) जहाँ समय के महत्व पर चर्चा की जा रही हो। { }

24. यदि मुझे किसी महान व्यक्तित्व की जीवनी पढ़ने को कहा जाए, तो मैं जीवनी पढ़ना पसंद करूंगा/करूंगी–

(अ) महात्मा गाँधी की। { }

(ब) सरदार वल्लभ भाई पटेल की। { }

(स) मदर टेरेसा की। { }

25. मैं ऐसी पुस्तक पढ़ना पसंद करता/करती हूँ–

(अ) जो तार्किक शक्ति बढ़ाती हो। { }

(ब) जो नैतिक शिक्षा पर आधारित हो। { }

(स) जो समय प्रबंधन से संबंधित हो। { }

26. कालांश पूर्ण होने पर कक्षा से शिक्षक के जाते ही तथा दूसरे कालांश के शिक्षक के आने तक मैं–

(अ) अनुशासित होकर एक जगह ही बैठा रहूँगा/रहूगो । { }

(ब) किसी मित्र की विषय से संबंधित समस्या का समाधान करूंगा/करूगीं। { }

(स) विकलाग विद्यार्थी को पढ़ाई में सहयोग करूंगा/करूगीं। { }

27. मैं निम्न प्रकार के शिक्षक से अधिक प्रभावित होता/होती हूँ–

(अ) जो विद्यार्थियों की कक्षाएँ समय पर लेता हो। { }

(ब) जो हमें आत्मनिर्भर बनाए। { }

(स) जो हमें भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करें। { }

28. मैं सरदार वल्लभ भाई पटेल को इसलिए मानता/मानती हूँ, क्योंकि

(अ) वे आत्मनिर्भरता पर बल देते थे। { }

(ब) वे चुनौतियों से डरते नहीं थे। { }

(स) वे समय के पाबंद थे। { }

29. मेरे दोस्तों का नैतिक स्तर ऊँचा उठाने के लिए –

(अ) मैं कार्यों को दृढ़तापूर्वक पूर्ण करके उन्हें भी कार्य करने की प्रेरणा द्गा/द्गीं । { }

(ब) मैं स्वयं ईमानदारी का नमूना प्रस्तुत कर उन्हें भी प्रेरित करूंगा/करूंगी। { }

(स) मैं उनकी समस्या का समाधान करूँगा/करूंगी, ताकि वह गलत कार्य न करें। { }

30. सफल जीवन जीने के लिए मैं महत्त्व देता/देती हूँ–

(अ) मेहनत करके धन कमाने को। { }

(ब) समय का सदुपयोग करने को। { }

(स) किसी को दिए हुए वचन का पालन करने को। { }